तीन का वर्ष — 1993 · अगली कड़ी III

उस मार्च की सुबह अभी सवेरा ही हुआ था जब किसी ने दरवाज़े की घंटी बजाई।

सब तुरंत पूछने लगे कि यह कौन हो सकता है। मेरी बेटी जॉर्जिया मुस्कुराई और पूरे भरोसे केसाथ घोषणा की: आख़िरकार। वे तुम्हें गिरफ्तार करने आ गए।

पता चला कि वह सिर्फ़ डाकिया था।

पिछली शाम वह एक तार (टेलीग्राम) देना भूल गया था। इस डर से कि यह गलती उसकी नौकरी न ले ले, उसने सुबह-सुबह ही इसे सुधारने का फैसला किया। उसके लिए समय एक मामूली बात थी।

मेरी पत्नी ने जिज्ञासावश तार खोला। उसमें लिखा था: “मान्या और उनकेपति को 30 मई को रेजियो कलाब्रिया के हॉल ओफ़ आर्कन्स में होने वाले आयोजन में आमंत्रित किया जाता है, जिसका शीर्षक है: वर्ष 1993 में जन्मे जुड़वाँ। कृपया यह तार मिलने केतीन दिनों केभीतर सचिवालय से संपर्क कर उपस्थिति की पुष्टि करें। कोई ख़र्च नहीं उठाना होगा।”

हमने एक-दूसरे की ओर देखा। तैंतीस साल बीत चुके थे। एसे आयोजन अक्सर नहीं होते। हमें जिज्ञासा हुई।

मेरी पत्नी ने तुरंत सलाह देना शुरू किया। अच्छे से पेश आना। कुछ भी जल्दबाज़ी में न करना। शांत और स्पष्ट रहना। जो भी दें, स्वीकार करना। फिर चुपचाप घर आ जाना। वह मुस्कुराते हुए यह कह रही थी। वह अच्छी तरह जानती थी कि भेड़ों के बीच भेड़िये को व्यवहार सिखाना अक्सर बेकार होता है। हाहाहाह।

आख़िरकार आयोजन का दिन आ गया। हॉल खचाखच भरा था। हम किसी को नहीं पहचानते थे। कम से कम, मैं नहीं। समय ने सबके चेहरे बदल दिए थे। अजीब बात यह थी कि लगभग कोई भी अपने बच्चों को साथ नहीं लाया था।

कार्यक्रम की शुरुआत एक वक्ता से हुई, एक प्रसूति-विशेषज्ञ जिसने उन सालों में उस क्लीनिक में काम किया था। उसने याद किया कि 1993 असाधारण साल था। उस साल चौवन जुड़वाँजन्म हुए थे। उनमें से इक्यावन लड़कियां थीं। सिर्फ़ तीन लड़के थे।

इसकेबाद क्लीनिक निदेशक मंच पर आए और उन तीन जोड़ों को आगे आने केलिए आमंत्रित किया जिन्होंने लड़का जुड़वाँजन्मे थे। जब मैंने अपना उपनाम सुना, मेरी पत्नी ने चुपचाप क्रूस का चिन्ह बनाया। एक नया साहसिक कार्य शुरू हो रहा था। वह जानती थी कि मैं बोलूंगा। बस उसे नहीं पता था कि मैं क्या कहने वाला था।

पहले जोड़े से पूछा गया कि उन्हें क्या लगता है कि उनकेजुड़वाँजन्म का कारण क्या रहा। पति ने जोश से जवाब दिया कि अच्छा खाना और गहरा जुनून शायद निर्णायक भूमिका निभा गए। दर्शकों ने ठहाके लगाए और तालियां बजाईं।

दूसरे जोड़े से भी वही सवाल पूछा गया। इस बार पत्नी ने जवाब दिया, यह सुझाते हुए कि किसी उन्नत हार्मोनल उपचार ने शायद किसी तरह परिणाम को प्रभावित किया हो।

फिर हमारी बारी आई। मेरी पत्नी ने मुझसे पहले तुरंत माइक्रोफ़ोन पर कब्ज़ा कर लिया। उसने समझाया कि जुड़वाँ जन्म मेरे पारिवारिक इतिहास में चलते आए हैं: मैं खुद, मेरे पिता, और उनसे पहले मेरे दादा। उसकी नज़र में यह पूर्वानुमेय था। लगभग स्वाभाविक। सब कुछ सुरक्षित ढंग से आगे बढ़ रहा था।

फिर उसने वह घातक गलती करने की कोशिश की। उसने माइक्रोफ़ोन मुझे थमाने की कोशिश की। मैंने उसे रोक लिया। यह जीवन में एक बार मिलने वाला मौक़ा था। मैं इसे गंवा नहीं सकता था।

मैंने समझाया कि उन सालों में मैं Gillette केलिए थोक व्यापार में काम कर रहा था। स्वाभाविक रूप से, मैंने कहा, जुड़वाँजन्मों को समझाना आसान था। यह हमारी प्रोमोशंस जैसा ही सिद्धांत था: दो लो, एक का भुगतान करो। हॉल हंसी से गूंज उठा।

प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, मैंने आगे कहा। "यह एक मांगलिक साल था, 1993। एक अविस्मरणीय साल। पर मैं यह भी बताना चाहूंगा कि मुझे उससे पहले यहाँ मौजूद किसी भी महिला से मिलने का सौभाग्य कभी नहीं मिला।"

महिलाएं मुस्कुराईं। पति कम मुस्कुराए। ब्रह्मांड में संतुलन बहाल हुआ।

आख़िरकार आयोजन खत्म हुआ, और हम बाहर निकलने की ओर बढ़े। जैसे ही हम निकल रहे थे, कई महिलाओं ने मुझे रोका। "मिस्टर गिलेटनरेटिव," उन्होंने पुकारा।

और उस पल मुझे कुछ समझ आया। साल बीतते हैं। चेहरे बदलते हैं। यादें धुंधली होती हैं। पर कहानियाँलोगों से तेज़ चलती हैं। मैं फ़र्दिनान्दो बनकर आया था। किसी तरह, मेरी कहानियाँ मुझसे पहले पहुंच चुकी थीं।

फेर्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com